पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

सत्र 2025–25

कक्षा–11

विषय–संगीत (गायन)

क्र0सं0	माह	पाठ्यक्रम	खण्ड–क, ख
1	अप्रैल	शास्त्रीय शब्दावली की परिभाषा सप्तक की परिभाषा एवं सप्तक का तारत्व (पिन) तीव्रता और गुण। राग भीमपलासी का पूर्ण परिचय आरोह–अवरोह पकड़।	(क) (ख)
2	मई	स्वर की परिभाषा शुद्ध और विकृत स्वर। श्रुतियों शुद्ध स्वरों का आन्दोलन और तार पर शुद्ध स्वरों का स्थान। राम भीमपलामी का आलाप, छोटाख्यान, स्वर लिपि कुछ तान सहित तीनताल का परिचय एकगुन, दुगन, तिगुन, चौगुन, को लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास।	(क) (क) (ख) (ख)
3	जून	ग्रीष्मावकाश	
4	जुलाई	श्रुतियाँ, आलाप, तान, मुर्की, कण कम्पन, मीड, गमक, छूट तानों के प्रकार (सपाट, अलंकारिक आदि)। गीतों की शैलियां–ध्रुपद तराना, सरगम गीत, भजन की परिभाषा उदाहरण महित। स्वर विस्तार के माध्यम से रागों का विकास और भेद। कठिन अंलकारों की रचना। अपताल का परिचय एकगुन, दुगुन, तिगुन चौगुन को लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास। राग दुर्गा का मान्य अध्ययन परिचय, आरोह–अवरोह पकड एवं छोटा ख्याल स्वरलिपि लिखने एवं गाने का अभ्यास।	(क) (ख) (ख) (ख) (ख) (ख)
5	अगस्त	त्रिवट, चतुरंग, राममाला, होली की परिभाषा उदाहरण महित। राग भैरव विस्तृत अध्ययन, पूर्ण परिचय, आरोह अवरोह, पकड़ आलाप, एक द्रुत ख्याल उचित तान, मुर्की, अन्य लयपूर्ण तालबद्ध विस्तार के साथ उसको गाने की योग्यता। आरोह–अवरोह, पकड, वक्र, वर्ज्य स्वर की परिभाषा। घरानों का संक्षिप्त अध्ययन। तानसेन एवं शारंगदेव का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान।	(ख) (ख) (क) (क) (ख)

6	सितम्बर	नाद स्वर का आलोचनात्मक अध्ययन। सम्बादी, अनुवादी, विवादी स्वर की पूर्ण जानकारी। राग हिण्डोन का मामान्य अध्ययन परिचय, आरोह–अवरोह, पकड एवं एक छोटा ख्याल की स्वर लिपि को गाने एवं राग पहचानने की योग्यता। गीतों के आलाप तान बोलतान सहित लिपिबद्ध करने की योग्यता। अमीर खुसरों एवं पण्डित भीमसेन जोशी का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान। एकताल का पूर्ण परिचय एकगुन, दुगुन, तिगुन चौगुन को लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास।	(क) (ख) (ख) (ख) (ख)
7	अक्टूबर	नाद की परिभाषा एवं विशेषताएं राग बहार का सामान्य अध्ययन परिचय, आरोह–अवरोह, पकड़ एवं एक छोटा ख्याल इसकी स्वरलिपि, जिसको लिखने, गाने एवं राग पहचानने की योग्यता। चार ताल का पूर्ण परिचय एकगुन, दुगुन, तिगुन चौगुन को लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास। छोटे स्वर समूहों के आधार पर रागों को पहचानना और उसकी बढ़त करना। उक्त रागों के गीतों में कम से कम एक ध्रुपद, एक विलम्बित ख्याल तथा एक तराना होगा। ध्रुपद में दुगुन, तिगुन, और चौगुन गाने तथा लिखने की क्षमता होने चाहिये। अर्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन ।	(क) (ख) (ख) (ख)
8	नवम्बर	भारतीय संगीत में आशुरचना का स्थान। भारतीय संगीत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (प्राचीन काल)	(क) (ख)
9	दिसम्बर	राग मालकौंस–विस्तृत अध्ययन पूर्ण परिचय, आरोह–अवरोह, पकड़, आलाप छोटा ख्याल की स्वरलिपि लिखने एवं पूर्वा गायिकी के साथ गाने का ज्ञान। रागों में थोड़ी स्वतंत्रता के साथ आशु रचना करने की योग्यता । किशोरी अमोनकर, गंगू बाई हंगल का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान। प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए प्रस्तावित पाठ्यक्रम में रागों की विशेषता। पाठ्यक्रम के समस्त रागों की बन्दिशों की स्वरलिपि लिखने का अभ्यास एवं सभी तालों को	(ख) (ख) (ख) (ख)

		एकगुन, दुगुन, तिगुन चौगुन को लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास	
10	जनवरी	पढ़ाये गये पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति	
11	फरवरी	वार्षिक गृह परीक्षा का आयोजन। उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन।	
12	मार्च	प्रगति पत्र का वितरण	